RNI Title-Code :- RAJBIL27027

www.nagaurdaily.com

नागौर डेली न्यूज

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

वर्ष: 1 | अंक 179 | नागौर, 30 मई, 2022 (सोमवार) | मूल्य 5 रुपया | पृष्ठ 4 | E-Edition

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने की उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

निर्मला सीतारमण को कर्नाटक से उम्मीदवार बनाया गया

नई दिल्ली

बीजेपी ने राज्यसभा के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। बीजेपी ने उत्तर प्रदेश से डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी और डॉ. राधामोहन अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा मध्य प्रदेश से कविता पाटीदार, कर्नाटक से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और जिग्नेश को उम्मीदवार बनाया गया है। महाराष्ट्र से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे को उम्मीदवार के तौर पर चुना गया है।

चुनावी राज्य राजस्थान से बीजेपी ने घनश्याम तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं उत्तर प्रदेश से सुरेंद्र सिंह नागर, बाबूराम निषाद, दर्शना सिंह और संगीता यादव को राज्यसभा का टिकट दिया गया है। बिहार से बीजेपी ने सतीश चंद्र दुबे और शंभु शरण पटेल को चुना है जबकि उत्तराखंड से डॉ. कल्पना नेगी को टिकट दिया गया है। हरियाणा से पार्टी ने कृष्ण लाल पंवार को चुना है। गौरतलब है कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 मई है। राज्यसभा की 57 सीटों के लिए 10 जून को चुनाव होना है।बता दें कि यूपी में 11 सीटों पर राज्यसभा चुनाव होना है जिनमें से 6 पर पार्टी ने अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। सात सीटों पर बीजेपी को पूर्ण बहुमत है वहीं सपा के पास सिर्फ अपने तीन उम्मीदवारों को जिताने के लिए ही बहुमत है।

राजस्थान के 7 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

जून के पहले सप्ताह में राजस्थान को तरबतर करेगा प्री-मानसून

जयपुर।

अगले 24 घंटे में जयपुर और भरतपुर संभाग के 7 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें अलवर, दौसा, करौली, धौलपुर, सीकर, सवाई माधोपुर और झुंझुनूं शामिल हैं। इन जिलों में धूलभरी आंधी के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। दूसरी ओर, केरल के रास्ते मानसून ने 3 दिन पहले (रविवार) दस्तक दे दी है। इससे राजस्थान में भी वक्त से पहले मानसून की एंट्री की संभावनाएं बढ़ गई हैं। वैसे तो 20 जून तक बांसवाड़ा के रास्ते मानसून के राजस्थान में प्रवेश करने की संभावना है। 30 जून तक पूरे प्रदेश में बारिश के आसार हैं। इस बीच, यह भी संभावना जताई जा रही है कि हवा की रफ्तार अनुकूल रही तो मानसून 17 जून तक प्रवेश कर सकता है। इससे पहले जून के पहले सप्ताह में प्रदेश को प्री मानसून की बारिश तरबतर कर सकती है।

हवाओं की गति पर करेगा निर्भर

जयपुर मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान में भी मानसून 20 की बजाय 17 जून को ही एंट्री ले सकता है। यह निर्भर करेगा मानसूनी हवाओं की गति पर। अगर हवाओं की रफ्तार कुछ और तेज होती है तो राजस्थान में मानसून पहले आ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो यह 5 साल में अबतक सबसे तेज एंट्री होगी। आमतौर पर केरल में दाखिल होने के 20 दिन बाद ही मानसून राजस्थान में आता है। साल 2021 में केरल में एंट्री करने के 15 दिन बाद ही राजस्थान में मानसून प्रवेश कर गया था।

31 मई के बाद मौसम होगा शुष्क

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि अगले 24 घंटे में प्रदेश में एक बार फिर मौसम में बदलाव हो सकता है। जयपुर और भरतपुर संभाग के अलवर, दौसा, करौली, धौलपुर, सीकर, सवाई माधोपुर और झुंझुनूं में धूलभरी आंधी के साथ बारिश हो सकती है। 31 मई के बाद प्रदेश में एक बार फिर मौसम शुष्क रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

नौतपा इस बार नहीं तपा

राजस्थान में हर बार नौतपा के दौरान ही भीषण गर्मी आम आदमी को परेशान करती थी। इस बार ऐसा नहीं हुआ। पहले एक्टिव हुए पश्चिमी विक्षोभ ने नौतपा की तपन को कम कर दिया। इस दौरान हुई बारिश से प्रदेश के अधिकतम औसत तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट भी दर्ज की गई है। मई के शुरुआती दिनों में जहां प्रदेश में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया था। वहीं नौतपा शुरू होने के बाद तापमान गिरकर 43 डिग्री पर पहुंच गया है।

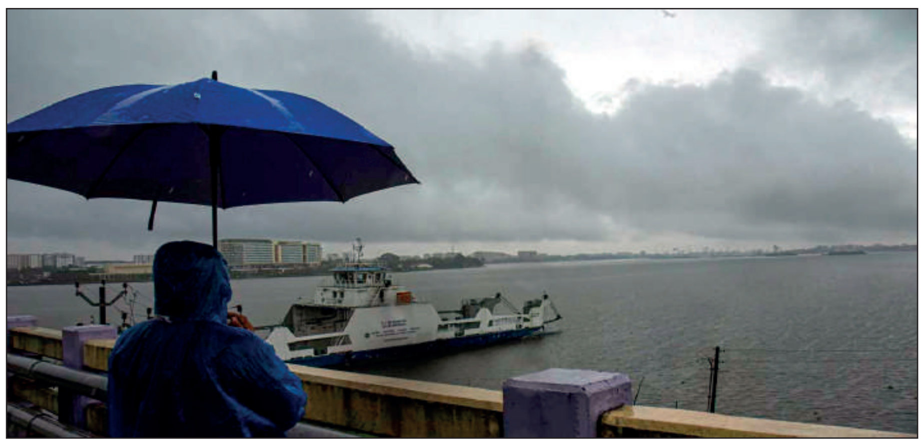

केरल में मानसून की दस्तक : 3 दिन पहले पहुंचा मानसून

पटना.

मौसम विभाग ने मानसून को लेकर खुशखबरी दी है। विभाग के मुताबिक रविवार (29 मई) को केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। सामान्यतौर पर केरल में मॉनसून 1 जून तक दस्तक देता है, लेकिन इस साल यहां मानसून 3 दिन पहले 29 मई को ही पहुंच चुका है। इसके साथ ही कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने केरल में 29 मई से 01 जून तक भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं, 30 मई को तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह दक्षिण और तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

भारत में कोरोना के 2800 से ज्यादा नये मामले

नई दिल्ली।

देश में कोरोना के मामलों में रविवार को फिर इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना के नए 2,828 मामला दर्ज किए गए हैं। चिंता की बात है कि सक्रिय मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना से 14 लोगों की मौत भी हुई है।

17 हजार के पार एक्टिव केस

कोरोना के पाजिटिव मामलों के मुकाबले ठीक होने वाले लोगों की संख्या कम है। इसीलिए एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़ रही है। देश में एक्टिव केस बढ़कर अब 17,087 हो गए हैं। डेली पाजिटिविटी दर 0.60 फीसद है। कोरोना से अब तक कुल 4 करोड़ 26 लाख 11 हजार 370 लोग ठीक हो चुके हैं।

शनिवार को मिले थे दो हजार से अधिक केस

इससे पहले शनिवार को कोरोना संक्रमण के 2,685 नए मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस दौरान कोरोना से 2,158 मरीज ठीक भी हुए। इसके अलावा 33 मरीजों की महामारी से मौत हुई थी।

मन की बात का 89वां एपिसोड

स्टार्टअप की दुनिया न्यू इंडिया का रिफ्लेक्शन, देश में यूनिकॉर्न की संख्या 100 से ज्यादा हुई : पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में लोगों से चर्चा कर रहे हैं। यह इस रेडियो प्रोग्राम का 89वां एडिशन है। इस एडिशन में पीएम मोदी स्टार्टअप के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने देश के स्टार्टअप सिस्टम की तारीफ करते हुए कहा कि- आप लोग क्रिकेट के मैदान पर टीम इंडिया के किसी बल्लेबाज की सेंचुरी सुन कर खुश होते होंगे, लेकिन, भारत ने एक और मैदान में सेंचुरी लगाई है और वो बहुत विशेष है. उन्होंने कहा- इस महीने 5 तारीख को देश में यूनिकॉर्न की संख्या 100 के आंकड़े तक पहुंच गई है और आपको तो पता ही है, एक यूनिकॉर्न, यानी, कम-से-कम साढ़े सात हज़ार करोड़ रूपए का स्टार्टअप। आपको यह जानकर भी हैरानी होगी, कि, हमारे कुल यूनिकॉर्न में से 44, पिछले साल बने थे 7 इतना ही नहीं, इस वर्ष के 3-4 महीने में ही 14 और नए यूनिकॉर्न बन गए। उन्होंने आगे कहा- इन यूनिकॉर्न का कुल वैल्यूएशन 330 अरब डॉलर, यानी 25 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। इसका मतलब यह हुआ कि वैश्विक महामारी के इस दौर में भी हमारे स्टार्टअप, वेल्थ और वैल्य करते रहे हैं। एक और बात जिसे मैं अहम मानता हूं कि स्टार्टअप की दुनिया न्यू इंडिया को रिफलेक्ट कर रही है। यह छोटे-छोटे कस्बों से भी इंटरप्रिन्योर भी सामने आ रहे हैं। मुझे इस बात का गर्व है कि भारत में बहुत से मेंटर्स हैं जिन्होंने स्टार्टअप को आगे बढ़ाने में खुद को समर्पित कर दिया है।

योग दिवस की तैयारी शुरू करने को कहा : 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इसे लेकर पीएम मोदी ने कहा कि- विश्व के टॉप बिजनेस पर्सन से लेकर फिल्म से जुड़े लोग और युवा योग को अपना रहे हैं। दुनिया में योग की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर आपको अच्छा लगता होगा। इस समय योग दिवस को लेकर हंड्रेड डे काउंट डाउन भी चल रहा है। दिल्ली में सौवें दिन और पिचहत्तरवें दिन काउंटडाउन प्रयोजित किए गए हैं।

तंजावुर के सेल्फ हेल्प ग्रुप की तारीफ की

पीएम मोदी ने कहा- पिछले दिनों मुझे एक गजब की एक्टिविटी देखने को मिली। तंजावुर से एक डॉल मुझे भेजी गई। इसमें जीआई टैगिंग भी है। यह जितनी खूबसूरत होती हैं उतनी ही ये महिला सशक्तिकरण की गाथा भी लिख रही है। उन्होंने कहा- इस पहल से 22 सेल्फ हेल्फ ग्रुप जुड़े हैं। जानकार अच्छा लगेगा कि ये स्टोर तंजावुर की प्राइम लोकेशन पर खोले गए हैं। ये खिलौने, मेट और आर्टिफिशियल ज्वेलरी बनाते हैं। आप भी यह पता लगाए कि आपके क्षेत्र में कौन से महिला सेल्फ हेल्फ ग्रुप काम कर रहे हैं। यही नहीं उनके बनाए प्रोडक्ट का इस्तेमाल भी करें।

हमारी विविधता ही हमारी खासियत

पीएम मोदी ने कहा- हमारे यहां अलग-अलग पहनावा और पहचान हमारी डायवर्सिटी है। यह हमें सशक्त और एकजुट रखती हैं। ऐसा ही एक उदाहरण है बेटी कल्पना का। उनका सपना एक भारत श्रेष्ठ भारत से जुड़ा है। उन्होंने हाल ही में दसवीं की परीक्षा पास की है। उन्होंने सिर्फ तीन महीने में कन्नड़ भाषा सीखी और इसमें 92 नंबर हासिल किए।

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या

भगवंत मान सरकार ने हटाई थी पुलिस सुरक्षा

नई दिल्ली

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की मानसा जिले के जवाहरके गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। एक दिन पहले शनिवार को पंजाब की मान सरकार ने मूसेवाला से वीआईपी सुरक्षा को वापस ले लिया था। गोली लगने के बाद मूसेवाला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। जानकारी के अनुसार, पंजाब गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला को मानसा गांव में कुछ बदमाशों ने गोली मार दी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मूसेवाला के साथ की हत्या के बाद पंजाब सरकार पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि, एक दिन पहले ही भगवंत मान सरकार ने मूसेवाला समेत 424 लोगों की पुलिस सुरक्षा वापस ले ली थी।

सिद्धू मूसेवाला ने पंजाब विधानसभा का चुनाव कांग्रेस के टिकट पर मानसा से लड़ा था और उन्हें आप उम्मीदवार विजय सिंगला ने 63,000 मतों के भारी अंतर से हराया था। विजय सिंगला को हाल ही में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त कर दिया था।

सोनिया गांधी से मिले हेमंत सोरेन, राज्यसभा चुनाव को लेकर बनी बात

नई दिल्ली. राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस लगातार बैठक कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता तथा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बीच मुलाकात हुई है। इस मुलाकात के बाद हेमंत सोरेन ने झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा उम्मीदवार को समर्थन देने की बात कही है। हालांकि, अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि तो नहीं हो पाई है। लेकिन सूत्रों के हवाले से खबर है कि फिलहाल हेमंत सोरेन ने झारखंड से कांग्रेस के के के राज्यसभा उम्मीदवार को समर्थन देने की बात कही है। आपको बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अपना उम्मीदवार भेजने पर अड़ी थी। लेकिन सोनिया गांधी और हेमंत सोरेन के बीच से बातचीत के बाद रास्ता निकल गया है। मुलाकात के बाद हेमंत शोरेन ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात हुई। 1 घंटे से ज्यादा राजनीतिक विषयों पर चर्चा हुई, राज्यसभा भी रहा। कुछ चीजों पर सहमति बनी, ये धरातल पर भी उतरेगा।

गांवों में किसी अन्य चिकित्सा पद्धति ने आयुर्वेद का स्थान नहीं लिया है : राष्ट्रपति कोविंद

उज्जैन (मप्र)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को आयुर्वेद विशेषज्ञों से रोगों के उपचार एवं महामारी विज्ञान के नए-नए क्षेत्रों में आयुर्वेद की प्रभावशीलता एवं लोकप्रियता को बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत के गांवों में आज भी पारंपरिक आयुर्वेद चिकित्सा पद्धतियां प्रचलित हैं और अभी भी किसी अन्य चिकित्सा पद्धति ने इसका स्थान नहीं लिया है। उज्जैन में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के 59वें महाधिवेशन का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा, ''सचमुच में भारत गांवों का देश है और गांवों में जो पारंपरिक चिकित्सा की व्यवस्था है, वह आज भी आयुर्वेदिक ही है। इसका विकल्प अभी भी किसी भी अन्य चिकित्सा पद्धति में नहीं है। किसी भी चिकित्सा पद्धति ने इसका स्थान अभी तक नहीं लिया है।'' उन्होंने कहा, ''अनुसंधान से जुड़े हुए लोगों से अपेक्षा है कि रोगों के उपचार एवं महामारी विज्ञान के नए-नए क्षेत्रों में आयुर्वेद की प्रभावशीलता और लोकप्रियता को बढ़ाया जाए।''

कोविंद ने कहा, ''विश्व भर में अनेक चिकित्सा पद्धतियां प्रचलित हैं। परंतु आयुर्वेद इनमें सबसे अलग है। आयुर्वेद का अर्थ है 'साइंस ऑफ लाइफ' अर्थात आयु का विज्ञान।'' उन्होंने कहा, ''विश्व में प्रचलित अनेक चिकित्सा पद्धतियों के साथ पैथी शब्द जुड़ा होता है। पैथी अर्थात रोग हो जाने पर उसका उपचार करने की पद्धति। लेकिन आयुर्वेद में स्वास्थ्य रक्षा अर्थात रोग के उपचार के साथ-साथ रोग निवारण पर भी बल दिया जाता है। रोग का मूल कारण ढूंढ़ करके उसे दूर करने का प्रयास किया जाता है। ऐसे सर्वहितकारी आयुर्वेद का परंपरागत ज्ञान हमारे पास है। यह हम सबका सौभाग्य है।'' कोविंद ने आगे कहा, ''लेकिन आज का समय शोध और अनुसंधान का, प्रमाणन का और गुणवत्ता का समय है। यह समय आयुर्वेद के लिए ज्ञान को अधिक गहराई से समझने, वैज्ञानिक कसौटी पर कसकर खरा उतरने का तथा वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुसार तकनीकी विश्व को देने का है। ये हम सबके लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है और मुझे विश्वास है कि आप सब लोग मिलकर इस चुनौती को स्वीकारेंगे और इसमें प्रगति करेंगे।''

यह मुल्क हमारा है, हम यहीं रहेंगे, अगर तुमको हमारा मजहब बर्दाश्त नहीं तो छोड़ दें देश : महमूद मदनी

नई दिल्ली

जमीयत उलेमा-ए-हिंद (महमूद मदनी गुट) की वर्किंग कमेटी में रविवार को प्रस्ताव पास हुआ कि मुसलमान वाराणसी की ज्ञानवापी और मथुरा की ईदगाह से अपना दावा नहीं छोड़ेंगे। साथ ही तय हुआ कि सिविल कॉमन कोड का विरोध किया जाएगा। जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि जो लोग मुसलमानों से देश छोड़ने की बात कहते हैं, वह खुद ही देश छोड़कर चले जाएं।

जमीयत के दो दिवसीय सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। मौलाना महमूद मदनी ने समापन भाषण में तल्ख तेवर अपनाते हुए कहा कि यह मुल्क हमारा है और हमारे पूर्वजों ने हिंदुस्तान को आज़ाद कराने में बड़ी कुर्बानियां दी हैं। जिन्हें हमारे रहन-सहन, खाने और हमारी तालीम से नफरत है, वह मुल्क छोड़ कर चले जाएं। यह मुल्क हमारा है। हम यहीं रहेंगे।

शरीयत में दखलंदाजी मंजूर नहीं

उन्होंने कहाकि हम किसी से डरने वाले नहीं। जो हमें डराने की कोशिशें करते हैं, वह अपने ही लोगों को हमारा नाम लेकर डराने लगते हैं। हम अपने नज़रियात और पालिसी से कोई समझौता नहीं करेंगे। कानून कोई भी बना लिए जाएं, हम अपनी शरीयत नहीं छोड़ने वाले।

उर्दू के साथ हिन्दी भी अपनाएं मुसलमान

जमीयत के दो दिवसीय सम्मेलन में रविवार को आखिरी दिन कई प्रमुख प्रस्ताव पास किए गए। इसमें ज्ञानवापी और मथुरा ईदगाह पर दावा नहीं छोड़ने के साथ ही शरीयत में दखल बदार्श्त नहीं करने, मुसलमानों के उर्दू के साथ हिन्दी भी अपनाने, सच्चर कमेटी की रिपोर्ट संसद में रखने, सोशल मीडिया पर इस्लाम की सही तस्वीर पेश करने, वक्फ संपत्ति की देखरेख करने, तालीम याफ्ता बनने और पयार्वरण का संरक्षण करने के साथ ही साफ-सफाई पर ध्यान देने संबंधी प्रस्तावों पर सर्व सम्मति से मुहर लगाई गई।

समान नागरिक संहिता कभी स्वीकार नहीं

देवबंद। असम से एआईयूडीएफ के सांसद एवं एवं जमीयत उलेमा-ए-हिंद की असम शाखा के प्रदेशाध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता कानून मूल संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने वाला है। मुस्लिम पर्सनल-लॉ में शामिल मामले जैसे विवाह, तलाक, खुला और विरासत समेत ऐसे बहुत से नियम हैं जो किसी व्यक्ति के बनाए कानून नहीं बल्कि कुरआन और हदीस से लिए गए हैं। केंद्र सरकार मुस्लिम पर्सनल-लॉ को खत्म कर इस्लाम मजहब की नीतियों में सीधा हस्तक्षेप कर रही है। जिसे हम किसी भी सूरत में नहीं स्वीकार करेंगे।

सम्पादकीय

दावोस में भारत

यथार्थ बहरूपीय है। वही शक्ल दिखाता है, जो देखनेवाला देखना चाहता है। पिछले सप्ताह कुछ ऐसा ही हुआ। भारत के प्रधानमंत्री जापान में थे, क्वाड की बैठक के लिए। इसलिए कि मोदी के प्रचारकों को, और शायद मोदी को भी, उनका विश्वगुरु रूप बहुत पसंद है, सो उनकी एक तस्वीर खूब वायरल करवा दी गई, जिसमें वे चल रहे हैं सीना ताने हुए जापान के प्रधानमंत्री के साथ और उनके पीछे आ रहे हैं अमेरिका के राष्ट्रपति, जो बाइडेन और आस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री। सोशल मीडिया पर खुसफुस के मुताबिक इस तस्वीर को वायरल करने के लिए कई मोदी समर्थकों को ऊपर से आदेश आया था। इस तस्वीर को छापा गया भारत के तकरीबन हर अखबार में और देशवासियों को संदेश यही गया कि भारत के प्रधानमंत्री को दुनिया वाले भी विश्व का सबसे बड़े राजनेता मानते हैं। कुछ दिन पहले मैंने एक बहुत बड़े हिंदी अखबार में पढ़ा था कि मोदी इतने कद्दावर नेता हैं कि पुतिन उनकी सलाह लेकर यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने वाले हैं।

बात यह है कि मैं दावोस में थी पिछले सप्ताह, जहां से यथार्थ कुछ अलग दिखा। यहां से ऐसा लगा कि इस अति-ऐतिहासिक सम्मेलन में भारत का नामो-निशान नहीं था। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के संस्थापक क्लाउस श्वाब ने खुद कहा कि पिछले पचास वर्षों में इस सम्मेलन को वे सबसे महत्त्वपूर्ण मानते हैं, इसलिए कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार यूरोप में फिर से युद्ध हो रहा है। यह ऐसा युद्ध है, जिसको कई विशेषज्ञ अभी तक शीत युद्ध कह रहे हैं रूस और पश्चिमी देशों के बीच, लेकिन कई और हैं, जो स्वीकार करते हैं कि यह युद्ध चलता रहा अगर और कुछ महीने, तो शीत न रह कर गर्म युद्ध बन सकता है, जिसमें दुनिया के हर देश को अपना पक्ष चुनना पड़ेगा। भारत इस चर्चा से बाहर रहा है अभी तक इसलिए कि हमने निष्पक्ष रहने का फैसला लिया है। संयुक्त राष्ट्र में जब भी व्लादिमीर पुतिन के इस बेरहम आक्रमण पर बहस हुई है, भारत रूस को दोषी ठहराने से बचा है। इसका कारण हमारे आला अधिकारियों ने दुनिया के बड़े राजनेताओं को यही बताया है कि हम राष्ट्रहित को ध्यान में रख कर अपनी विदेश नीति तय करते हैं और हमारे हित में नहीं है रूस से दुश्मनी मोल लेना। लेकिन जब दिखा कि पुतिन का यह युद्ध महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शता है और पूरे महानगर बर्बाद कर रहा है, तो भारत के प्रधानमंत्री ने कहा जरूर है कि इस तरह का अत्याचार गलत है, लेकिन अब भी हमने तय नहीं किया है कि हम लोकतांत्रिक देशों के खेमे में हैं या रूस और चीन जैसे तानाशाही देशों के खेमे में।

दावोस के इस वार्षिक सम्मेलन में मैं आती रही हूं बहुत सालों से, लेकिन इस बार जो भी लोग यहां आए हैं, उनको स्वीकार करना पड़ रहा है कि पुतिन के इस युद्ध ने दुनिया को बदल दिया है। इसलिए कि एक बार फिर दुनिया की दो सबसे बड़ी शक्तियां एक-दूसरे के विरोध में भिड़ सकती हैं जैसे शीत युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ एक-दूसरे के सामने थे। इस बार अमेरिका के सामने जो शक्तिशाली देश खड़ा है, वह चीन है, रूस नहीं। रूस के बारे में तय हो गया है कि न उसकी सैन्य शक्ति इतनी है कि वह अमेरिका का मुकाबला कर सके भविष्य में और न उसकी आर्थिक शक्ति। भविष्य में क्या होगा, कोई नहीं कह सकता, लेकिन जो बात वर्तमान में तय हो चुकी है, वह यह है कि दो हिस्सों में बंटने वाली है दुनिया और जो देश किसी का भी पक्ष नहीं लेना चाहते हैं, उनका महत्त्व बहुत कम रह जाएगा।

बच्चों के लिए काल बनते जा रहे हैं बोरवेल, क्या सरकारें कोई कदम उठायेंगी?

हर साल बोरवेल में बच्चों के गिरने के अब कई मामले सामने आते हैं, जिनमें से अधिकांश की बोरवेल के भीतर ही दम घुटकर दर्दनाक मौत हो जाती है। बोरवेल हादसे पिछले कुछ वर्षों से जागरूकता के प्रयासों के बावजूद निरन्तर सामने आ रहे हैं किन्तु इनसे सबक सीखने को कोई तैयार नहीं दिखता। ऐसे मामलों में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीकें क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। सवाल यह भी है कि आखिर बार-बार होते ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवैल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहेंगे और कब तब मासूम जानें इनमें फंसकर इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी। आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी से ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं।

पंजाब के होशियारपुर जिले के गढ़दीवाला के समीप बहरामपुर में 22 मई को हुए दर्दनाक हादसे में कुत्ते से बचकर भाग रहा छह वर्षीय एक बच्चा ऋतिक 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरकर मौत की नींद सो गया। हालांकि सेना और एनडीआरएफ की टीम ने आठ घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद उसे बोरवेल से बाहर तो निकाल लिया लेकिन अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों द्वारा बताया गया कि अस्पताल लाने से घंटे भर पहले ही बच्चे की मौत हो चुकी थी। यह दर्दनाक घटना उस समय हुई, जब बच्चा खेत में खेल रहा था और उसी दौरान एक आवारा कुत्ता उसके पीछे पड़ गया। बच्चा कुत्ते से बचने के लिए भागते हुए बोरवेल शाफ्ट पर चढ़ गया, जिसे जूट के बोरे से ढ़का हुआ था। इस प्रकार बच्चा 300 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर करीब 95 फुट नीचे जाकर फंस गया और खुले पड़े बोरवेल के कारण मौत के मुंह में समा गया। पिछले कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे अनेक दर्दनाक हादसे हो चुके हैं, जिनमें इन बोरवेलों ने मासूम बच्चों को जिंदा निगल लिया। हालांकि विडम्बना यह है कि ऐसे हादसों पर पूर्णविराम लगाने के लिए कहीं कोई कारगर प्रयास होते नहीं दिखते।

अब तक अनेक मासूम जिंदगियां बोरवेल में समाकर जिंदगी की जंग हार चुकी हैं किन्तु विडम्बना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। मध्य प्रदेश के देवास जिले में खातेगांव कस्बे के उमरिया गांव में एक व्यक्ति को अपने खेत में सूखा बोरवेल खुला छोड़ देने के अपराध में जिला सत्र न्यायालय ने करीब दो साल पहले दो वर्ष सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि लोग बोरवेल कराकर उन्हें इस प्रकार खुला छोड़ देते हैं, जिससे उनमें बच्चों के गिरने की घटनाएं हो जाती हैं और समाज में बढ़ रही लापरवाही के ऐसे मामलों में सजा देने से ही लोगों को सबक मिल सकेगा। अगर मध्य प्रदेश में जिला अदालत के उसी फैसले की तरह ऐसे सभी मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया के जरिये दोषियों को कड़ी सजा मिले, तभी लोग खुले बोरवेल बंद करने को लेकर सक्रिय होंगे अन्यथा बोरवेल इसी प्रकार मासूमों की जिंदगी छीनते रहेंगे और हम मासूम मौतों पर घड़ियाली आंसू बहाने तक ही अपनी भूमिका का निर्वहन करते रहेंगे।

विडम्बना है कि देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवन भर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। बोरवेलों में बच्चों के गिरने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए

दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है। अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डी.एम., ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढों के मुंह को लोहे के ढक्कन से ढकना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं पालन होता नहीं दिखता।

अदालती दिशा-निर्देशों में स्पष्ट है कि बोरवेल की खुदाई के बाद यदि कोई गड्ढा है तो उसे कंक्रीट से भर दिया जाए लेकिन ऐसा न किया जाना हादसों का सबब बनता है। ऐसे हादसों में न केवल निर्बोध मासूमों की जान जाती है बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। प्रायः होता यही है कि तेजी से गिरते भू-जल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई बार उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है और पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है, वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है। कहीं बोरिंग के लिए खोदे गए गड्ढों या सूख चुके कुओं को बोरी, पॉलीथीन या लकड़ी के फट्टों से ढांप दिया जाता है तो कहीं इन्हें पूरी तरह से खुला छोड़ दिया जाता है और अनजाने में ही कोई ऐसी अप्रिय घटना घट जाती है, जो किसी परिवार को जिंदगी भर का असहनीय दर्द दे जाती है। बहरहाल, न केवल सरकार बल्कि समाज को भी ऐसी लापरवाहियों को लेकर चेतना होगा ताकि भविष्य में फिर ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

आज का राशिफल

मेष
बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ
मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

मिथुन
व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

सिंह
शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी।

कन्या
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा।

तुला
शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिक
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

धनु
आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

मकर
यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

कुंभ
आज मान-सम्मान के योग बनेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन
कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी।

व्यापार समाचार

बीते सप्ताह तेल-तिलहनों के थोक भाव टूटे

नई दिल्ली।

विदेशी बाजारों की निर्यात मांग के कारण देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार आया। वहीं गर्मियों की वजह से स्थानीय मांग कमजोर होने से बाकी सभी तेल-तिलहनों की थोक कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि मूंगफली तेल की निर्यात मांग होने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव में पर्याप्त सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि विदेशों में मूंगफली तेल की मांग होने की वजह से निर्यातक गुजरात में मूंगफली तेल 160 रुपये प्रति किलो के भाव खरीद कर रहे हैं। इस निर्यात मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के भाव मजबूत हुए। लेकिन स्थानीय मांग कमजोर होने से बाकी खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में नरमी दर्ज हुई। सूत्रों ने दावा किया कि खाद्य तेल-तिलहनों के थोक भाव में गिरावट आई है। यह पूछे जाने पर अगर गिरावट आई है तो आम उपभोक्ताओं को 190-210 रुपये लीटर या उससे अधिक कीमत पर सरसों तेल क्यों मिल रहा है, सूत्रों ने कहा कि यह वास्तविकता है कि थोक भाव कम हुए

हैं। थोक विक्रेता आगे आपूर्ति करने के लिए खुदरा कंपनियों को 152 रुपये लीटर (अधिभार सहित) के हिसाब से आपूर्ति कर रहे हैं। खाद्य तेल के एक प्रमुख ब्रांड ने शनिवार को 152 रुपये लीटर के भाव बिक्री की है लेकिन खुदरा कंपनियां यदि इस कीमत में मनमानी वृद्धि कर रही हैं, तो सरकार को उसपर अंकुश लगाने के बारे में सोचना चाहिये। छापेमारी से कुछ हासिल नहीं होगा उल्टा इससे तेल कारोबार की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि छापेमारी के बजाय केवल बाजार में घूम-घूम कर खुदरा विक्रेता कंपनियों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की जांच की जाये, तो समस्या की जड़ में पहुंचा जा सकेगा। लेकिन अगर खुदरा बिक्री कंपनियां एक सीमा से अधिक जाकर मनमाना पैसा वसूल करने पर उतारू हो जायें तो बढ़ती मुद्रास्फीति को संभालना मुश्किल होगा।

सूत्रों ने कहा कि थोक बिक्री मूल्य के हिसाब से खुदरा में सरसों तेल अधिकतम 158-165 रुपये लीटर तथा सोयाबीन तेल अधिकतम 170-172 रुपये लीटर मिलना चाहिये। इस कीमत पर उपभोक्ताओं को खाद्य तेल आपूर्ति के लिए सरकार को यथासंभव प्रयास करना होगा। सूत्रों ने कहा कि जिस मात्रा में सरसों का रिफाइंड बनाकर आयातित तेलों की कमी को पूरा किया जा रहा है, उससे आगे जाकर सरसों की भारी दिक्कत आयेगी क्योंकि इसका कोई विकल्प नहीं है। कम से कम खुद का तेल मिल संचालन करने वाली सहकारी संस्था हाफेड को पर्याप्त मात्रा में सरसों का स्टॉक बनाने को लेकर गंभीर होना पड़ेगा। सूत्रों ने कहा कि पिछले साल के आयातित तेलों के दाम से देशी तेल (बिनौला, सरसों, मूंगफली आदि) लगभग10-25 रुपये लीटर नीचे हैं और इसलिए इन तेलों का भंडारण किये जाने का कोई औचित्य नहीं है।

2025 तक 150 ड्रोन पायलट प्रशिक्षण स्कूल स्थापित करेगी ड्रोन डेस्टिनेशन : सीईओ चिराग शर्मा

नई दिल्ली।

ड्रोन प्रशिक्षण कारोबार से जुड़ी दिल्ली की कंपनी 'ड्रोन डेस्टिनेशन' ने 2025 तक देशभर में ड्रोन पायलट प्रशिक्षण देने वाले कम-से-कम 150 स्कूल स्थापित करने की योजना बनाई है। 'ड्रोन डेस्टिनेशन' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चिराग शर्मा ने साक्षात्कार में कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन की बढ़ती उपयोगिता को देखते हुए ड्रोन पायलटों को प्रशिक्षण देने वाले संस्थानों की भी जरूरत बढ़ेगी। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए अगले तीन साल में उनकी कंपनी देशभर में कम-से-कम 150 ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र खोलने की योजना पर काम कर रही है। शर्मा ने कहा, ''हम पारिस्थितिकी तंत्र की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालयों, कृषि संस्थानों और पुलिस अकादमियों के साथ साझेदारी करना चाहते हैं। वर्ष 2025 तक इस उद्योग के लिए जरूरी एक लाख से अधिक व्यक्तियों को

रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान करने में मददगार बनना चाहते हैं।'' 'ड्रोन डेस्टिनेशन' भारत का पहला रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन है, जिसे विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नए ड्रोन नियम, 2021 के तहत मान्यता भी हासिल है। यह वर्तमान में देश में छह रिमोट पायलट ट्रेनिंग स्कूल चला रहा है। शर्मा ने बताया कि उनकी कंपनी चार प्रशिक्षण केंद्र इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के सहयोग से गुरुग्राम, बेंगलुरु, ग्वालियर और धर्मशाला में संचालित कर रही है जबकि एक केंद्र संस्कारधाम ग्लोबल मिशन के सहयोग से चल रहा है।

अडाणी ने जैसलमेर में हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र शुरू किया

जयपुर।

अडाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर वन लिमिटेड ने जैसलमेर में पवन व सौर ऊर्जा के मेल वाला हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र शुरू किया है। कंपनी का कहना है कि यह देश में अपनी तरह का पहला हाइब्रिड ऊर्जा उत्पादन संयंत्र है। कंपनी के जारी बयान के अनुसार, अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की सहायक कंपनी एएचईजेओएल ने जैसलमेर में 390 मेगावॉट का हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र चालू किया है। कंपनी का कहना है कि इस संयंत्र का एसईसीआई कंपनी के साथ 2.69 रुपये प्रति किलोवॉट घंटे की शुल्क दर के हिसाब से बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है।

अडणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनीत एस जैन ने बयान में कहा कि सौर व पवन ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से एकीकृत हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र उत्पादन अंतर को हल करके अक्षय ऊर्जा की पूरी क्षमता का उपयोग करता है और बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए एक अधिक विश्वसनीय समाधान प्रदान करता है।

जाखेड़ा गौशाला में गायों के मरने का सिलसिला जारी

रविवार को पांच और गायों ने तोड़ा दम

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। डेगाना के ग्राम जाखेड़ा की गौशाला में गायों के मरने का सिलसिला आज दिन भी जारी है। जानकारी के अनुसार रविवार को भी गौशाला की पांच गायों ने दम तोड़ दिया, जिनका पशु चिकित्सकों की टीम के द्वारा पोस्टमार्टम करने के बाद गाड़ दिया। जानकार सूत्रों के अनुसार के अनुसार गायों के मरने के पिछे इसबगोल का दूषित चारा होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ज्ञात हो जाखेड़ा की गौशाला मे पिछले दस दिनों मे लगभग सौ से भी ज्यादा गायें दम तोड़ चुकी है।

इतनी बड़ी घटना के बावजूद भी स्थानीय प्रशासन को भनक तक नहीं लगी ओर गोशाला के संचालकों ने भी प्रशासन को गायों के मरने के कारणों का पता लगाने के लिए सूचना तक नहीं देकर गुपचुप तरीके से मृत गायों को जंगल मे खड्डा खोदकर गाड़ते रहे लेकिन शनिवार को सोशल मिडिया पर ये घटना वायरल होने के बाद पुरा मामला उजागर हुआ तब जाकर प्रशासन ओर पशु चिकित्सा विभाग सक्रिय हुआ। इसे लेकर ग्रामीणों ने गहरी नाराजगी जताई तथा इतनी बड़ी संख्या मे गायों के मरने की सूचना स्थानीय अधिकारी पटवारी ओर ग्राम सेवक द्वारा भी प्रशासन को नहीं दिये जाने पर शासन व्यवस्था की भी लापरवाही सामने आई है। जबकि गांव मे पटवारी, ग्राम सेवक, प्रधानाध्यापक, ग्राम रक्षक, सरपंच, चिकित्सक, बीट अधिकारी, गौशाला संचालक मंडल सहित अनेक सरकारी अधिकारी ओर जनप्रतिनिधियों के रहते हुये भी इस हादसे की किसी को कानों कान खबर तक नहीं लगना सवालिया निशान लगाता है। इसे लेकर पूर्व मंत्री अजय सिंह किलक ने जिला कलेक्टर को पत्र भेजकर जांच कराने तथा गायों की मौत के जिम्मेदार सभी लोगो पर सख्त कार्रवाही करने की मांग की है, जिससे भविष्य में कोई ऐसी गलती को नहीं दोहरा सके। एक साथ सैकड़ों की तादाद मे गौवंश की मौत होना एक गंभीर मामले के साथ अपराध है, जिसका दोषियों का पता लगाया जाना जरूरी है।

इसबगोल का चारा व प्लास्टिक बना गायों की अकाल मौत का करण

जांच करने गये अधिकारी खाली लौटे : रविवार को छुट्टी के दिन भी प्रशासनिक अधिकारियों ने जाखेडा की गौशाला का दौरा कर मामले की जानकारी लेनी चाही, लेकिन गौशाला में गायें नहीं मिलने ओर गौशाला का रिकार्ड भी नहीं मिलने से तहसीलदार, थानाधिकारी, पशुपालन महकमें के अधिकारी ओर चिकित्सकों की टीम को खाली हाथ ही लौटना पड़ा। तहसीलदार ने बताया कि रविवार को मौके पर गौशाला में गायें नहीं मिली तथा गौशाला का रिकार्ड भी उपलब्ध नहीं कराया गया, जिस पर एसडीएम रविन्द्र कुमार के निर्देश पर विशेषज्ञों की जांच टीम का गठन किया है, जिसे पूरे मामले की जांच कर सात दिवस में रिपोर्ट देने के निर्देश दिये।

रविवार को पांच गायों ने दम तोड़ा : डेगाना के पशु चिकित्सा अधिकारी श्रीकांत खोडवे ने बताया कि रविवार को भी गौशाला की पांच गायों ने दम तोड़ा जिनका पोस्टमार्टम किया गया।

साथ की गायों के रक्त के सेंम्पल लेकर लेबोरेट्री मे भिजवाए गये है, जिसकी रिपोर्ट आने पर ही गायों की मौत होने के कारणों का पता लगेगा। डॉ. खोडवें ने बताया कि पोस्टमार्टम करने पर मृत गायों के पेट से इसबगोल ओर अन्य चारा तथा प्लास्टिक भारी मात्रा में निकाला है, जो गायों की मौत का कारण हो सकता है।

इनका कहना है

'गौशाला की बीमार गायों को बचाने के लिए इलाज की व्यवस्था की गई है साथ ही गौशाला मे रखा दूषित पुराना चारा बाहर करवा कर नया पौष्टिक चारा भी मंगवा लिया है। इसके अलावा गौशाला संचालक मंडल को हटाकर नई समिति को जिम्मेदारी सौंपी, जो आज के बाद गायों की देखरेख करेगी। मामले की जांच के लिए टीम का गठन किया है जो सात दिन मे रिर्पोट पेश करेगी उसके बाद आगे की कार्रवाही की जायेगी।

रविन्द्र कुमार
उपखण्ड अधिकारी, डेगाना

'रविवार को गायें नहीं मिली। सोमवार को गौशाला मे गायों की गिनती कर वीडियोंग्राफी कराई जायेगी तथा रिकार्ड मंगवाकर उसमें गायों की संख्या, मौके पर गायों की संख्या, मृत गायों की गणना, सरकार से मिले अनुदान ओर चारा खरीद की रसीदें, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, गायों के खून के भेजे सेम्पल की जांच सहित सभी रिकार्ड का मिलान कर जांच की जायेगी तथा इसमे दोषी पाये जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाही होगी।

भागीरथ चौधरी,
तहसीलदार डेगाना

बड़ी खाटू के फैसल खान ने जीता गोल्ड मेडल

क्षेत्र में खुशी की लहर

अली शेर खान

शेरानी आबाद(नागौर डेली न्यूज) : निकटवर्ती बड़ी खाटू निवासी शकील अहमद के पुत्र फैसल खान ने उदयपुर स्थित जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र फैसल राजस्थान विद्यापीठ विश्वविधालय में कंप्यूटर विषय में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन की डिग्री कर रहे थे, जहां फैसल ने कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ पढ़ाई की ओर विश्वविधालय में सबसे अधिक अंक प्राप्त कर, गोल्ड मेडल जीतकर न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया है बल्कि अपने पुश्तैनी गांव बड़ी खाटू का भी सर गर्व से ऊंचा किया है। शनिवार को विश्विद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया, जिसमे मुख्य मुख्य अतिथि बी.डी. कल्ला उच्च शिक्षा मन्त्री राजस्थान सरकार तथा न्याय मूर्ति ए पी साही थे। विशिष्ठ अतिथि फ़र्स्ट इंडिया न्यूज़ के प्रबंध निदेशक जगदीश चंद्र, प्रोफेसर बलवन्त राय जानी कुलाधिपति जनार्दन राय नागर राजस्थान विध्यापीठ विश्व विद्यालय थे। समारोह में फैसल को प्रथम स्थान का प्रमाण पत्र बी. डी.कल्ला उच्च शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार द्वारा तथा न्याय मूर्ति ए पी साही ने मेडल पहनकर सम्मानित किया। फैसल ने अपनी इस सफलता से गांव के अन्य छात्रों को भी प्रेरित किया है। फैसल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता ओर अपने गुरुजनों को दिया। फैसल ने विश्वविधालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे बड़ी खाटू गांव को गौरवान्वित किया है और पूरे गांव में खुशी का माहोल है।

भगवान शांतिनाथ जन्म तप और मोक्ष कल्याणक हर्षोल्लास पूर्वक मनाया

अबूबकर बल्खी

लाडनूं(नागौर डेली न्यूज) : स्थानीय दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप व मोक्ष कल्याणक हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जैन समाज मंत्री धर्मचंद गोधा ने बताया कि एक हजार वर्ष से भी अधिक प्राचीन अतिशयकारी, भूगर्भ से प्राप्त प्राचीन मंदिर में जैन समाज की श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक शांतिविधान कर भगवान शांतिनाथ की आराधना की। इससे पूर्व 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का भव्य जलाभिषेक एवं भव्य शांतिधारा की गई। भगवान शांतिनाथ, भगवान अजीतनाथ एवं वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर की शांतिधारा करने का

अवसर जेठमल, अशोक सेठी, अजीत कुमार, विशाल कुमार, अंकुश सेठी, त्रिलोकचंद, नरेंद्र बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ। सर्वप्रथम अनुष्ठान की मंगल कलश स्थापना उपाध्यक्ष अशोक सेठी, मंत्री धर्मचंद गोधरा, रोबिन बड़जात्या, निर्मल पाटनी, महेंद्र पाटनी, सुरेंद्र कासलीवाल द्वारा की गई। इसके बाद जन्म, तप और मोक्ष कल्याणक मनाया। जैन समाज की महिलाओं ने थाल बजाकर जन्म कल्याणक एवं भक्ति नृत्य के साथ मोक्ष कल्याणक मनाया। अनुष्ठान का मंत्रोच्चारण डॉ सुरेंद्र जैन, लाडनू ने किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व मंत्री अनिल पहाड़िया, चांदकपूर सेठी, उपमंत्री सुरेंद्र सेठ, शांतिलाल पाटनी, शरद जैन सुधांशु, राज पाटनी, सुभाष बड़जात्या, राजेश कासलीवाल, संजय कासलीवाल, सुभाष गंगवाल, आकाश कासलीवाल, भागचंद जैनाग्रवाल, विकास बड़जात्या, विपुल जैन एवं महिलाओं में सुशीला कासलीवाल अंजू पांड्या, रेखा जैन, अभिनेत्री सोनम पाटनी, चारु जैन, डॉ मनीषा जैन, सोनिका कासलीवाल, सुशीला सेठी, कल्पा जैन, रतनीबाई बड़जात्या, शारदा गंगवाल, अनीता गोधा, दीपा गोधा, आदि उपस्थित थे।

सीएम गहलोत का नागौर दौरा

जिलाध्यक्ष गैसावत ने मकराना को जिला बनाने की पैरवी की

मोहम्मद शहजाद

मकराना(नागौर डेली न्यूज)। राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नागौर जिले के रेण आगमन पर मकराना के पूर्व विधायक व नागौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष जाकिर हुसैन गैसावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से अनेक मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की व इस दौरान मुख्यमंत्री को मकराना की भौगोलिक, औद्योगिक, राजनीतिक व प्रशासनिक स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए मकराना को जिला बनाने के लिए मांग रखते हुए मकराना की दावेदारी की मजबूत पैरवी की। राजस्थान सरकार ने राजस्थान में नए जिलों के गठन के लिए रिटायर्ड आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता में 5 सदस्य कमेटी बना रखी है और कमेटी के निर्देशन में नए जिलों के लिए रायशुमारी व प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मकराना को जिला बनाओ अभियान के तहत मकराना विकास समिति व सर्व संगठन ने 23 मई को मकराना उपखंड अधिकारी को ऐतिहासिक रिकार्ड 106 ज्ञापन दिए थे जिसमें मकराना के सभी प्रमुख संगठन व विभिन्न राजनीतिक प्रतिनिधियो ने भी बढ चढ़कर भागीदारी निभाई थी। हाल ही में मकराना विकास समिति के प्रतिनिधि मंडल ने जाकिर हुसैन गैसावत से मुलाकात कर मकराना को जिला बनाने के लिए मजबूत पैरवी करने की मांग की थी। उसी के तहत जाकिर हुसैन गैसावत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री के नागौर दौरे के दौरान चर्चा करते समय मकराना की भौगोलिक, औद्योगिक राजनीतिक व प्रशासनिक स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए मकराना को जिला बनाने की मांग की है।

रामसरी के जुणावा को मिला मैडल

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। निकटवर्ती रामसरी गांव के सीआरपीएफ में तैनात सहायक उप निरीक्षक शिम्भू राम जुणावा को मेडल मिला। सीआरपीएफ उप निरीक्षक शिम्भू राम जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में ड्यूटी अवधि के दौरान, कठिन हालत, अतिसंवेद्नसील, आतंकवादी ग्रस्त इलाके में तैनात रहते हुवे ड्यूटी के प्रति सजग, ईमानदार रहते हुवे हर सौंपे हुवे कार्य को समय से पूर्ण करते हुवे ड्यूटी का बखूबी निर्वहन किया, जिसके लिए उक्त अधिकारी को पुलिस स्पेशल ड्यूटी मैडल से सम्मानित किया गया है।

महेश नवमी महोत्सव का आगाज आज से

30 मई से 8 जून तक मनाया जाएगा महेश जयंती महोत्सव

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। माहेश्वरी समाज, माहेश्वरी महिला मंडल व नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में महेश नवमी महोत्सव 8 जून को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। माहेश्वरी समाज के राकेश करवा ने बताया कि महेश नवमी महोत्सव को लेकर माहेश्वरी नवयुवक मंडल की ओर से विभिन्न तरह की खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत सोमवार को प्रातः 5 बजे भगवान महेश की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जिसके तहत आज प्रातः 5 बजे शहर के रावण मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसके सयोंजक प्रदीप बजाज व अमित दरक को बनाया गया। प्रत्येक मैच 15 ओवर का खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में करीब 4 टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। 30 मई से 8 जून तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी की गई।

इस बार महेश नवमी महोत्सव को लेकर युवाओं व बालिकाओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। 30 मई से बच्चो, महिलाओं व पुरषो के लिए विभिन प्रतियोगिता आयोजित होगी। 8 जून को प्रातः 7 बजे भगवान महेश की शोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली जाएगी। इसी दिन माहेश्वरी भवन के प्रांगण में 10 बजे भगवान महेश की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। 12 बजे विभिन खेलकूद प्रितियोगिता में पहला व दूसरा स्थान प्राप्त करने व शिक्षा के क्षेत्र में होनहार बालक व बालिकाओं को समाज की ओर से पारितोषिक देकर सम्मानित किया जाएगा।दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक समाज की विचार गोष्टी का आयोजन होगा। दोपहर 4 बजे से समाज के चुनाव होंगे।

पूर्व सरपंच सिंह ने अनाथ शव का पोस्टमार्टम व दाह संस्कार करवाकर समाज में दिया प्रेरणादायक संदेश

श्यामसुन्दर प्रजापत

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : मीठड़ी कस्बे में वीपी सिंह की आटा चक्कियों की फैक्ट्री के पास रहने वाले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। समाज सेवी पूर्व सरपंच लोकेन्द्र सिंह ने समाज को प्रेरणादायक संदेश देते हुए परिजन रहित शव का पोस्टमार्टम व दाह संस्कार में पूर्ण सहयोग किया, जिसको कस्बे गणमान्य नागरिकों ने सराहनीय कदम बताया। युवक के बहनोई छितरमल पुत्र बिरदाराम निवासी लिचाणा ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि पिछले कुछ दिन से भंवरलाल पुत्र श्योदानराम (40) मानसिक रूप परेशान था। इसके चलते रविवार को प्रातः 11 बजे लगभग अपने निवास स्थान पर पेड़ पर फंदा बनाकर आत्म हत्या कर ली। ग्रामीणों की सूचना पर नावां पुलिस के हेड कांस्टेबल परमाराम मय जाप्ता के मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से शव को नीचे उतार कर शव का पंचनामा करवाया।

शहादत को सलाम

पंचतत्व में विलीन हुए शहीद बजरंगलाल...

बेटे और भतीजे ने दी मुखाग्नि

जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा माछील सैक्टर में पैट्रोलिंग के दौरान हादसे में हुए थे शहीद

हजारों लोगों ने दी नम आंखों से विदाई

अ.रहमान देवड़ा

मूण्डवा(नागौर डेली न्यूज)। भारत पाक सीमा पर जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा माछील सैक्टर पैट्रोलिंग करते समय नागौर जिले की मूंडवा तहसील के फिड़ौद ग्राम के शहीद हुए सुबेदार बजरंगलाल की देह रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गई। जम्मू कश्मीर में शहीद हुए बजरंग लाल की तिरंगे में लिपटी शहीद की पार्थिव देह रविवार सुबह फिडौद पंहुची। इससे पूर्व शहीद की शहादत को नमन करने के लिए बड़ी संख्या में लोग बाग फिड़ौद में एकत्रित हो चुके थे।

पुरे फिड़ौद में किसी भी घर में चुल्हा नहीं जला। सभी फिड़ौदवासी भी अपने-अपने घरों के ताला लगाकर आ चुके थे। शहीद की पत्नी, पुत्री और पुत्र ने घर पर शहीद के अंतिम दर्शन किए फिर धार्मिक रिती रिवाज अनुसार आवश्यक कार्य सम्पन्न करने के पश्चात घर से अंतिम यात्रा रवाना हुई तो भारत माता की जय, वंदेमातरम, देश का लाल कैसा हो बजरंगलाल जैसा हो जैसे अनेक नारे लगने लगे। गाजे बाजे और डिजे के साथ शहीद की यात्रा सैन्य वाहन में रवाना हुई। गांव के पास ही अंतिम संस्कार किया गया- सभी ग्रामवासियों की सहमति से शहीद का अंतिम संस्कार शमशान में न करते हुए गांव के राजकीय विद्यालय और अस्पताल के पास खाली पड़ी जगह पर ही किया गया। आगे वहीं शहीद का स्मारक भी बनाया जाएगा।

ग्रामीणों ने दिखाई गजब की हिम्मत

बजरंगलाल के शहीद होने की सूचना तीन दिन पूर्व ही गांव वालों का लग गई थी मगर वृद्ध पिता और पत्नी और बच्चे यह खबर सुनकर विचलित न हो जाये इसलिए परिवार को सूचना ही नहीं दी गई। रविवार सुबह ही यह जानकारी परिवार को दी गई थी। शहीद की शहादत पर परिवार भी संयमित नजर आया। घर से लेकर अंतिम संस्कार स्थल तक सभी लोग मौजूद रहे। शहीद की पार्थिव देह जिस तिरंगे में लिपट कर आयी। सैन अधिकारियों ने ससम्मान वो तिरंगा परिवारजनों को सुपुर्द किया। शहीद के पिता, पत्नी और बच्चों ने तिरंगा हाथ में लेकर पार्थिव देह के परिक्रमा लगाई। बाद में पूरे समय तक वो तिरंगा अपनी छाती के लगाये शहीद की वीरांगना वहीं मौजूद रही। वहीं पुत्र लोकेश व भतीजे दिनेश ने मुखाग्नि दी।

अंतिम यात्रा में कई दिग्गज भी हुये शामिल

शहीद के शहादत को नमन करने के लिए पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी, नागौर विधायक मोहनराम चौधरी, खींवसर विधायक नारायण बेनीवाल, नागौर के पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान, पूर्व प्रधान सुखराम फिड़ौदा, राजेन्द्र फिड़ौदा, आरएलपी नेता रेंवतराम डांगा, सुभाष कंदोई, पूर्व सरपंच इन्द्रचंद फिड़ौदा, रमाकांत शर्मा, डॉ. हापुराम चैधरी, अधिवक्ता घनश्याम फिड़ौदा, जिला कलक्टर पियुष सामरिया, पुलिस अधिक्षक राममूर्ति जोशी, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी राजेन्द्रसिंह जोधा, सैनिक कल्याण से रिछ्पालसिंह, तहसीलदार पेमाराम चौधरी, थानाधिकारी रिछ्पालसिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी मौजुद रहे। सभी ने पुष्प चक्र अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।

नि:शुल्क तैराकी प्रशिक्षण शिविर का किया शुभारम्भ

डीडी चारण

मेड़तासिटी(नागौर डेली न्यूज): मेड़ता में रविवार को प्राचीन बम्ब बावडी पर मीरा तैराकी संघ की और से नि:शुल्क तैराकी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर भगवान रघुनाथ मंदिर के पुजारी आशुतोष शर्मा के वैदिक मन्त्रोचार्य के साथ सबसे पहले प्राचीन बम्ब बावडी के पानी का विधि विधान से पूजार्चना की गई व इसके बाद आयोजन के मुख्य अथिति के रूप मे समाजसेवीका उमा शर्मा रजत ने जल देवता का पूजन करके आरती की व इसके बाद आयोजन में आए सभी अथितियों के साथ-साथ मीरा तैराकी संघ के सभी सदस्यों ने मिलकर फीता काटकर नि:शुल्क तैराकी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर पर आये हुए अथितियों ने अपने-अपने विचार सांझा किये तथा साथ ही डागोलाई सरोवर सेवा समिति के पदाधिकारियों ने मिलकर मीरा तैराकी संघ को डागोलाई सरोवर की सफाई करने का निवेदन किया तो मीरा तैराकी संघ के पदाधिकारियों से विचार विमर्श करके अगले तीन रविवार को सुबह 6 बजे डागोलाई सरोवर की सफाई अभियान शुरु होगा।

कांग्रेस ब्लॉक संगठन के चुनाव अधिकारी पहुंचे मकराना, सर्वसम्मति से ब्लॉक अध्यक्ष चुनने पर हुई चर्चा

मोहम्मद शहजाद

मकराना(नागौर डेली न्यूज)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ब्लॉक संगठन के चुनाव चल रहे है। मकराना ब्लॉक हेतु चुनाव अधिकारी रविवार को चमनपुरा स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। यहां ब्लॉक अध्यक्ष के चुनाव हेतु चर्चा कर सर्वसम्मति से चुनाव कराने का निर्णय लिया गया।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा नियुक्त ब्लॉक संगठन चुनाव अधिकारी रमेश शर्मा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं सांगानेर नगर परिषद के पार्षद व सहायक बीआरओ हारून रशीद लालपुर सेवादल अध्यक्ष झुंझुनूं ने नागौर कांग्रेस जिलाध्यक्ष व मकराना के पूर्व विधायक जाकिर हुसैन गैसावत को मकराना ब्लॉक संगठन चुनाव हेतु सर्वसम्मति से चुनाव कराने की बात कहीं। इस पर सभी कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष गैसावत के द्वारा नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाने पर सहमति जताई।

गैसावत ने बताई संगठन चुनाव प्रणाली

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन गैसावत ने बताया कि पूरे भारत में कांग्रेस संगठन के चुनाव चल रहे है। इसमें पहला चुनाव ब्लॉक अध्यक्ष का होता है। उसके बाद पीसीसी सदस्य, जिलाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है। नागौर जिले में 10 विधानसभा व 20 ब्लॉक है, जिनमे 20 ब्लॉक अध्यक्ष के चुनाव किए जाएंगे। हर विधानसभा में 2-2 ब्लॉक है जिन्हे कहीं शहर व ग्रामीण, कहीं ए बी का नाम दिया गया है। कई ब्लॉक गांवों के नाम से भी चिन्हित किए गए है। कांग्रेस संगठन के ज्यादातर चुनाव सर्वसम्मति से होते है और जहां सर्वसम्मति नहीं बनती वहां विधिवत चुनाव कराए जाते है।

गैसावत ने कार्यकर्ताओं का जताया आभार

इस दौरान जिलाध्यक्ष गैसावत ने मकराना ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए जाने कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष गैसावत द्वारा दिए नाम पर सहमति जताने पर सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नगर परिषद के कार्यवाहक सभापति अब्दुल सलाम भाटी, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्षा गीता सोलंकी, पीसीसी सदस्य भूराराम डूडी, भंवराराम डूडी, पीसीसी सदस्य मोहम्मद अयूब गैसावत, मोहम्मद असलम चौधरी, सेवादल के अनवर गहलोत, दिलीपसिंह चौहान, मो. शफी गैसावत सहित शहर व ग्रामीण के कांग्रेस कार्यकर्ता, पार्षद व सरपंचगण मौजूद रहे।

पौधरोपण के बाद पिला रहे हैं पौधों को पानी

महीने में एक बार लेते हैं सुध

फखरूद्दीन खोखर

रूण(नागौर डेली न्यूज) : बरसात के मौसम में कई जगह पर्यावरण प्रेमी पौधरोपण करते नजर आते हैं और यह कार्य फोटो तक ही सीमित रहता है, मगर बाद में उनकी सुध नहीं लेते हैं, लेकिन गांव रूण के तालाब के पास स्थित श्मशान घाट पर पिछले वर्ष लगाए गए पौधों की सार संभाल पर्यावरण प्रेमी लेते नजर आ रहे हैं। अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के रामप्रसाद गोलिया ने बताया कि पिछले वर्ष यहां पर पर्यावरण प्रेमियों ने काफी पौधे लगाकर जालियां भी लगाई थी। भीषण गर्मी के दौर में पर्यावरण प्रेमी एक महीने में एक बार टैंकर से पानी डलवाते हैं और पौधों की देखरेख भी करते हैं। ऐसे में पौधे भी पनपते हुए नजर आ रहे हैं।

इस कार्य में फार्मासिस्ट मादाराम डूकिया, श्याम सुंदर शर्मा और रामकुंवार डूकिया भी सहयोग देते हुए नजर आ रहे हैं।

रेलवे ट्रेक पर महिला व दो बच्चों की जान बचाने वाले हैड कांस्टेबल का रेल मंत्री ने किया सम्मान

मोहम्मद शहजाद

मकराना(नागौर डेली न्यूज) : रेलवे सुरक्षा बल जोधपुर पर तैनात हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार मीणा ने 17 सितम्बर 2019 को सवारी गाड़ी संख्या 22977 जयपुर जोधपुर एक्सप्रेस में ट्रेन एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के दौरान मेड़ता रोड रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने के पश्चात एक महिला यात्री व उसके दो बच्चे सहित ट्रेन व प्लेटफार्म के बीच फंस जाती है जिसको देखकर हेड कॉन्स्टेबल मुकेश कुमार मीणा दौड़ कर महिला सहित बच्चों को खींच कर बाहर निकाल लेता है। महिला यात्री व बच्चों की जान बचाने से रेलवे सुरक्षा बल का नाम भी रोशन हुआ। जिस पर शुक्रवार 27 मई को नई दिल्ली विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा प्रदत वर्ष 2019 के उत्तम जीवन रक्षक पदक को रेल मंत्री अश्विनी कुमार वैष्णव द्वारा पदक स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवार्ड के तहत दी जाने वाली राशि एक लाख पचास हजार रुपए पहले ही दे दी गई थी। मुकेश कुमार मीणा के सम्मानित होने के पश्चात शनिवार को जोधपुर पहुंचने पर स्टेशन डायरेक्टर नारायण लाल, राजेंद्र चौधरी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल, एलबी यादव निरीक्षक आसूचना शाखा, आरपीएफ कांस्टेबल हेतराम मीणा सहित जीआरपी स्टॉफ व रेलवे कर्मचारियों ने साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

30 दिवसीय संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण में भाग लेने पहुँचे क्षेत्र के युवा

जुगल दायमा

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : सूचना एवं रोजगार अभियान एवं मंजरी फाउंडेशन के सहयोग से मंथन संस्था कोटडी में चल रहे 30 दिवसीय संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए हरसौर सहित क्षेत्र के युवा भी पहुंचे। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ग्राम पंचायत किनसरिया का दौरा किया गया। सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को मनरेगा संबंधी संपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही मनरेगा में रखे जाने वाले रिकॉर्ड के बारे में समझाया। युवा प्रशिक्षणार्थियों ने ग्रामीण अंचल में चल रहे मनरेगा कार्य स्थल का दौरा कर अवलोकन किया। तथा श्रमिकों उनकी समस्याएं भी जानी। मस्टर रोल के बारे में जानकारी लेते हुए नाप चोक भी किया। बीआरपी राजेंद्र लूणा ने बताया कि युवाओं को स्वरोजगार परक बनाना एनआरएलएम का उद्देश्य है। प्रशिक्षण का उद्देश्य मिशन के अंतर्गत गठित सहायता समूह ग्राम संगठनों, काडर को प्रशिक्षण देने के लिए मानव संसाधन तैयार करना है। मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों को निरंतर क्षमता/प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्लॉक रिसोर्स पर्सन समूह को ही आवासीय प्रशक्षिण दिया जाता हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com